इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4005

2 मई, 2013 को उत्तर के लिए

उद्योगों को लौह-अयस्क की आपूर्ति

4005. डा0 वी0 मैत्रेयन:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एन.एम.डी.सी.) देश में लौह-अयस्क आधारित सभी उद्योगों को लौह अयस्क मुहैय्या कराने वाला प्रमुख आपूर्तिकर्ता है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और पिछले तीन वर्षों के दौरान कितनी मात्रा में लौह-अयस्क की आपूर्ति की गई;

(ग) क्या एन.एम.डी.सी. द्वारा आपूर्ति किया गया अयस्क घरेलू उद्योगों की मांग पूरी करने हेतु गुणवत्तापरक तथा मात्रा की दृष्टि से पर्याप्त है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ड.) सरकार ने सभी घरेलू उद्योगों को लौह-अयस्क की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु क्या कदम उठाए हैं ?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री बेनी प्रसाद वर्मा)**

(क) और (ख): जी, नहीं। एनएमडीसी ने वर्ष 2011-12 के दौरान 27.3 मिलियन टन लौह अयस्क का उत्पादन किया जो वर्ष 2011-12 के दौरान देश में उत्पादित कुल लौह अयस्क 167.28 मिलियन टन (अनंतिम) का लगभग 16 प्रतिशत है। वर्ष 2012-13 के दौरान एनएमडीसी ने 27 मिलियन टन लौह अयस्क का उत्पादन किया। पिछले 3 वर्षों में एनएमडीसी लिमिटेड द्वारा घरेलू ग्राहकों को की गई लौह अयस्क की आपूर्ति का ब्यौरा नीचे दिया गया है।

वर्ष	मात्रा: मिलियन टन
2010-11	23.75
2011-12	26.91
2012-13	24.67

(ग) और (घ): एनएमडीसी ने वर्ष 2011-12 के दौरान 27.3 मिलियन टन लौह अयस्क का उत्पादन किया और घरेलू उद्योगों को 26.91 मिलियन टन लौह अयस्क की आपूर्ति की जो देश के कुल उत्पादित 167.28 मिलियन टन (अनंतिम) लौह अयस्क का लगभग 16 प्रतिशत है तथा घरेलू लौह एवं इस्पात उद्योग द्वारा की गई लगभग 116.3 मिलियन टन लौह अयस्क की अनुमानित खपत का लगभग 23 प्रतिशत है। एनएमडीसी के अलावा सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र की अनेक लौह अयस्क खननकर्ता कंपनियां हैं जो देश में लौह एवं इस्पात उद्योग को लौह अयस्क की आपूर्ति करती है।

(ड.) लौह अयस्क के एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र होने के चलते, इसकी आपूर्ति निजी कंपनियों द्वारा उनकी निजी आवश्यकताओं के आधार पर सुनिश्चित की जाती है। तथापि, घरेलू लौह एवं इस्पात उद्योग की लौह अयस्क की आपूर्ति में सुधार करने के लिए सरकार ने लौह अयस्क के सभी ग्रेडों (पिलेट्स को छोड़कर) पर निर्यात शुल्क को 30 प्रतिशत यथा मूल्य तक बढ़ाते हुए लौह अयस्क के निर्यात को हतोत्साहित करने के लिए राजकोषीय उपाय किए हैं। एनएमडीसी लौह अयस्क की नई खानों को खोलने तथा वर्तमान लौह अयस्क खानों की क्षमता को बढ़ाकर लौह अयस्क के उत्पादन को बढ़ाने के लिए भी कदम उठा रही है।

****